vinetur

ब्रिटिश स्पिरिट्स समूहों ने 15.3% बिक्री गिरावट के बाद यूके से शराब पर आबकारी शुल्क घटाने की मांग की

व्यापारिक निकायों का कहना है कि तीन वर्षों की ऊंची शुल्क दरों ने मांग को चोट पहुंचाई है, जिससे 2025/26 की आबकारी प्राप्तियां 2022/23 के स्तर से नीचे रहीं

शुक्रवार, 11 सितंबर 2026



ब्रिटिश स्पिरिट्स समूह अगले ऑटम बजट से पहले यूके सरकार से शराब पर आबकारी शुल्क घटाने का दबाव बना रहे हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले तीन वित्तीय वर्षों में बिक्री मात्रा में तेज गिरावट दर्ज की है और उनका कहना है कि बार-बार की गई कर बढ़ोतरी से ट्रेजरी के लिए मजबूत राजस्व नहीं मिला।

Wine and Spirit Trade Association ने कहा कि यूके में बिकने वाली स्पिरिट्स की मात्रा 2022/23 और 2025/26 वित्तीय वर्षों के बीच 15.3% घटी। इसी अवधि में उसने कहा कि स्टिल वाइन की मात्रा 8% और फोर्टिफाइड वाइन की मात्रा 22% से अधिक घटी। संघ ने कहा कि यह गिरावट 2023 में लागू नई आबकारी शुल्क व्यवस्था के बाद आई, जिसके बाद

शुल्क में दो और बढ़ोतरी की गई।

Scotch Whisky Association, जो भी कटौती की मांग कर रही है, ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में स्पिरिट्स शुल्क लगभग 17% बढ़ा है। उसका तर्क था कि ऊंची दरों ने उत्पादकों और व्यापक आपूर्ति शृंखला पर दबाव बढ़ाया है, जबकि 2025/26 में आबकारी शुल्क से ट्रेजरी की प्राप्तियां 2022/23 में दर्ज स्तर से नीचे रहीं। इस सप्ताह जारी सामग्री में किसी भी समूह ने बेची गई मूल लीटर मात्रा या वास्तविक राजस्व के कुल आंकड़े प्रकाशित नहीं किए, इसलिए केवल बयानों के आधार पर भौतिक बिक्री और कर प्राप्तियों में बदलाव का पैमाना स्वतंत्र रूप से गणना नहीं किया जा सकता।

नवीनीकृत लॉबिंग प्रयास को स्कॉटलैंड में राजनीतिक समर्थन मिला है। गुरुवार को स्कॉटलैंड के फर्स्ट मिनिस्टर जॉन स्विन्नी ने सार्वजनिक रूप से यूके सरकार से अगले महीने के बजट में स्कॉच व्हिस्की क्षेत्र का समर्थन करने और स्पिरिट्स शुल्क घटाने का आग्रह किया। उनका बयान Scotch Whisky Association की सदस्य कंपनियों की परिषद के साथ बैठक के बाद आया।

स्विन्नी ने कहा कि शुल्क बढ़ोतरी ने उद्योग पर "अनुचित दबाव" डाला है और उन्होंने यूके सरकार से, जिसे उन्होंने अनुचित व्यवहार बताया, उसे दूर करने की अपील का समर्थन किया। Scotch Whisky Association ने कहा कि शुल्क कटौती से डिस्टिलरियों, आपूर्तिकर्ताओं, आतिथ्य व्यवसायों और उपभोक्ताओं को उस समय मदद मिलेगी जब क्षेत्र अभी भी हाल के वर्षों में निर्यात बाजार में व्यवधान और व्यापक लागत दबावों से जूझ रहा है।

उद्योग समूहों का मामला इस तर्क पर आधारित है कि ऊंची कर दरों ने उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ाई हैं, मांग घटाई है और सार्वजनिक वित्त को अपेक्षित लाभ नहीं दिया। Wine and Spirit Trade Association ने कहा कि Office for Budget Responsibility के पूर्वानुमान इस धारणा में जरूरत से ज्यादा आशावादी रहे हैं कि शराब शुल्क बढ़ाने से ट्रेजरी के लिए अधिक पैसा आएगा। समूह ने कहा कि कम बिक्री ने उस उम्मीद को कमजोर कर दिया है।

व्यापार निकायों द्वारा जिस अगले संभावित बढ़ोतरी का उल्लेख किया गया है, उसे मंजूरी नहीं मिली है। Wine and Spirit Trade Association ने कहा कि यदि शरदकालीन बजट में खुदरा मूल्य सूचकांक के अनुरूप शुल्क 2.9% बढ़ता है, तो इससे जिन की एक बोतल पर शुल्क में लगभग £0.31, रेड वाइन की एक बोतल पर £0.11 और Prosecco की एक बोतल पर £0.10 बढ़ोतरी होगी। संघ ने चेतावनी दी कि एक और बढ़ोतरी ऐसे व्यवसायों पर चोट करेगी जो पहले से ही ऊंची रोजगार लागत, business rates और पैकेजिंग से जुड़े नए शुल्कों का सामना कर रहे हैं।

दोनों समूह इस मुद्दे को न सिर्फ कर-विवाद, बल्कि व्यापक आर्थिक प्रश्न के रूप में भी पेश कर रहे हैं। Wine and Spirit Trade Association ने कहा कि पेय क्षेत्र यूके भर में 400,000 से अधिक नौकरियों को सहारा देता है, जिनमें से 60% आतिथ्य क्षेत्र में हैं। Scotch Whisky Association ने कहा कि ब्रिटिश स्पिरिट्स का लगभग 70% स्कॉटलैंड में उत्पादित होता है और स्पिरिट्स आतिथ्य मुनाफे का 38% हिस्सा हैं, जिससे यह मुद्दा खास तौर पर स्कॉटिश उत्पादकों और प्रतिष्ठानों के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है।

स्कॉच व्हिस्की उत्पादकों ने घरेलू कर-विवाद को निर्यात बाजारों की परिस्थितियों से भी जोड़ा है। संघ ने कहा कि उद्योग को विदेशों में छह साल से अधिक समय से उथल-पुथल का सामना करना पड़ा है, लेकिन 2026 में संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत सहित गंतव्यों में बेहतर बाजार पहुंच के जरिए कुछ सुधार देखा गया है। उसका तर्क था कि देश में हल्का कर-भार कंपनियों को निवेश करने और उन अवसरों का लाभ उठाने में मदद करेगा।

यह लॉबिंग अभियान ऐसे समय में आया है जब मंत्री घरेलू आय और व्यावसायिक लागतों पर व्यापक दबाव के बीच बजट तैयार कर रहे हैं। व्यापार निकायों का कहना है कि कम शुल्क दर खपत को सहारा देगी, व्यवसायों को उबरने में मदद करेगी और मात्रा बढ़ने से अंततः ट्रेजरी की आय बढ़ा सकती है। यह दावा क्षेत्र की लॉबिंग का केंद्रीय बिंदु है, लेकिन यह उद्योग संगठनों द्वारा दिया गया तर्क है, न कि घोषित सरकारी नीति या स्वतंत्र रूप से सत्यापित राजकोषीय पूर्वानुमान।

Wine and Spirit Trade Association और Scotch Whisky Association दोनों ही पेय उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले

पैरवी समूह हैं, और उनके बयान बजट प्रस्तुतियों तथा सार्वजनिक अभियान के हिस्से के रूप में जारी किए गए थे। उनके आंकड़े ट्रेजरी पर राजनीतिक दबाव को और बढ़ाने की संभावना रखते हैं, खासकर स्विन्नी के हस्तक्षेप के बाद, लेकिन सरकार ने अभी तक शरदकालीन बजट के लिए शराब शुल्क पर अंतिम निर्णय घोषित नहीं किया है।

इस बहस पर पेय व्यापार, आतिथ्य क्षेत्र और विकेंद्रीकृत प्रशासन में करीबी नजर रखी जाएगी, क्योंकि यह एक साथ कई प्रतिस्पर्धी सवालों को सामने लाती है : उपभोक्ताओं के लिए जीवन-यापन की लागत, पबों और रेस्तरांओं की वित्तीय सेहत, स्कॉटलैंड और यूके के अन्य हिस्सों में विनिर्माण को समर्थन, और क्या बार-बार की गई आबकारी बढ़ोतरी सार्वजनिक राजस्व को मदद कर रही है या नुकसान पहुंचा रही है। फिलहाल, तात्कालिक सवाल यह है कि क्या ट्रेजरी अपेक्षित मुद्रास्फीति-सम्बद्ध रास्ते पर चलता है या उद्योग की कटौती की मांग स्वीकार करता है।